# डा. अभिलक्ष लिखी, अपर सचिव ने नारियल किसानों के साथ विचार-विमर्श किया

डा. अभिलक्ष लिखी, अपर सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने आज आलप्पुष़ा जिले के चेर्तला में पट्टणक्काड़ (ब्लॉक) के एषुपुन्ना गांव में स्थित तीरदेशा नारियल उत्पादक फेडरेशन का दौरा किया और नारियल किसान सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।

डा. लिखी ने अवलोकन किया कि नारियल विकास बोर्ड (नाविबो) द्वारा प्रवर्तित किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) की त्रिस्तरीय पिरामिडी संरचना, निचले स्तर के संगठनों की धर्मार्थ प्रकृति और शीर्षस्थ स्तर पर कंपनी अधिनियम के तहत कंपनी के गठन के मद्दे नज़र अभिनव है। निचले स्तर पर नारियल उत्पादक समिति (सीपीएस), मध्यम स्तर पर नारियल उत्पादक फेडरेशन (सीपीएफ) और शीर्षस्थ स्तर पर नारियल उत्पादक कंपनी (सीपीसी) किसानों छोटे समूह बनाने और किसान समूहों के स्तर के आधार पर विभिन्न स्तरों पर गतिविधियों की रूपरेखा बनाने के लिए किसानों की सहभागिता एवं संबंध सुनिश्चित बनाते हैं।

सीपीएस स्तर पर सामूहिक उपागम कृषि आदान सामग्रियों की सामूहिक खरीद, समुदाय आधारित पौध उत्पादन, कीट एवं रोग प्रबंधन के लिए एकीकृत उपाय, अंतर खेती, सामूहिक तुड़ाई और प्रक्षेत्र स्तरीय प्राथमिक प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के लिए सामुदायिक स्तरीय अवसंरचना की सुविधा प्रदान करती है। फेडरेशन प्रत्येक क्षेत्र में रोगनिरोधी छिड़काव, तुड़ाई और ताड़ के शिखर की सफाई के लिए कुशल श्रमशक्ति को प्रशिक्षित करके शामिल करने, बीजफल की खरीद के लिए मातृ वृक्ष की पहचान और चिह्नांकन, खोपरा उत्पादन के लिए समुदाय आधारित अवसंरचना और नाविबो योजनाओं के कार्यान्वयन आदि गतिविधियाँ चलाते हैं। सीपीएफ का उत्पादक कंपनियों में उन्नयन टिकाऊ आय, ब्रांड निर्माण, बाजार विकास, उत्पाद विविधीकरण, प्रसंस्करण और निर्यात सुनिश्चित करता है।

तीरदेशा नारियल उत्पादक फेडरेशन गांव की 8 नारियल उत्पादक समितियों का एक संकाय है। यह त्रिस्तरीय प्रणाली में लक्षित विभिन्न गतिविधियों में शामिल है। फेडरेशन के ज़रिए नारियल विकास बोर्ड की विभिन्न योजनाओं को कार्यान्वित किया जाता है। 761 किसान इसके

सदस्य हैं। उनके पास 41722 नारियल पेड़ हैं जिनकी उत्पादकता प्रति वर्ष तकरीबन 11 लाख नारियल हैं। फेडरेशन की प्रमुख गतिविधियों में नारियल नर्सरी की स्थापना और गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री का उत्पादन शामिल हैं। फेडरेशन गुणवत्ता वाले नारियल के पौधे उगाकर वितरित करता है। पोल्लाच्ची, तमिलनाडु और केरल के कण्णूर जिले के चेरुपुष़ा में स्थित तेजस्विनी नारियल किसान उत्पादक कंपनी के प्रमाणित नारियल फार्मों से गुणवत्तापूर्ण बीजफल खरीदे जाते हैं। यद्यपि कोविड महामारी की परिस्थिति का पौधों की बिक्री पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था, फिर भी फेडरेशन ने बिना किसी बड़े नुकसान के नर्सरी गतिविधियों को जारी रखा।

नाविबो के फ्रेंड्स ऑफ कोकोनट ट्री (एफओसीटी) प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ तुड़ाई और पौध संरक्षण कार्यों के लिए कुशल श्रम शक्ति विकसित करने के लिए उठाया गया था। इस कुशल श्रम शक्ति का क्षेत्र के सदस्य किसानों द्वारा फायदा उठाया जाता है। फेडरेशन नारियल के समय पर तुड़ाई के लिए प्रशिक्षित फ्रेंड्स ऑफ कोकोनट ट्री की उपलब्धता को भी प्रचारित करता है ताकि किसान आराम से रह सकें।

डा.लिखी को इस बात से अवगत कराया गया कि फेडरेशन ने विभिन्न नारियल किसान समूहों के लिए हल्दी और अदरक की अंतर खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। किसानों के लिए अंतरफसलों की रोपण सामग्रियों की व्यवस्था की गई और कृषि पद्धतियों का अभिग्रहण सुनिश्चित करने के लिए कृषि पद्धतियों का विस्तृत विवरण भी दिए गए। नारियल में रोग एवं कीट नियंत्रण पर व्याख्यान भी आयोजित किए गए। ऐसी परिस्थितियों में जब कोविड महामारी के दौरान प्रत्यक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम सीमित थे, सदस्यों के बीच विभिन्न पहलों और अनुपालन की जाने वाली कृषि पद्धतियों के बारे में व्हाट्सएप ग्रूपों के द्वारा संपर्क बनाया रखा गया था।

डा. लिखी ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों की योजनाओं और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के संबंध में नारियल किसानों के साथ विचार-विमर्श किया। उन्होंने किसानों की समस्याओं को भी सुना। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि उनके पास फेडरेशन की गतिविधियों को कंपनी के रूप में बढ़ाने की योजना है। उन्होंने उत्पादक कंपनी बनाने के लिए बोर्ड और भारत सरकार का समर्थन मांगा। डा. लिखी ने इस संबंध में समर्थन का आश्वासन दिया और अधिकारियों को नई केंद्रीय क्षेत्र योजना '10,000 किसान उत्पादक संगठनों के गठन और संवर्धन' में निहित प्रावधानों के अनुसार शीघ्र ही कंपनी बनाने के लिए फेडरेशन को पूरा समर्थन देने का निदेश दिया।

डा.लिखी ने बाद मं नारियल विकास बोर्ड, केरा भवन, एसआरवी रोड, एरणाकुलम में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा बैठक की। नारियल विकास बोर्ड, कोको और काजू विकास निदेशालय (डीसीसीडी), विपणन और निरीक्षण निदेशालय (डीएमआई), मिशन निदेशक, एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच), केरल, निदेशक, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीववाई), निदेशक (बीज), एडीसी, मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी (एम एंड टी), वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय (डीपीपीक्यूएस) के अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लिया।

अपर सचिव डा. अभिलक्ष लिखी ने नारियल विकास बोर्ड/राज्य सरकारों द्वारा शीर्षस्थ नारियल फेडरेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों का व्यापक प्रचार सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने राज्य सरकार से यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया कि सभी कृषि योजनाओं/कार्यक्रमों/परियोजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे।